

[Shri Satyendra Narayan Sinha]
Report of the Estimates Committee
(Sixth Lok Sabha) on the Ministry
of Health and Family Welfare—
Prevention and Control of
Blindness.

referred the matter to the Privileges
Committee.

श्री मनीराम बागड़ी : लोक सभा की भाषण
हिन्दुस्तान की जनता की भाषण है।

MR. SPEAKER: You wanted my
consent. I have given my consent.
Since I found a *prima facie* case. I
have referred the matter to the
Privileges Committee. What else can
I do?

12.08 hrs.

RE: QUESTION OF PRIVILEGE

SHRI MANI RAM BAGRI
(Mathura): Rose—

अध्यक्ष महोदय : मैंने कंसेंट दे दिया है।
I have given the consent and I am
sending it to the Privileges Com-
mittee.

श्री मनी राम बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, जर
झाप हमारी बात की सुन लीजियेगा। यह बहुत गंभीर
मामला है।

एक माननीय सदस्य : धार एस एस के बारे में
होगा।

श्री मनी राम बागड़ी : धार एस एस का तुम्हें
यह क्या मृत नजर आ रहा है ? धरे भाई, धार एस एस
के लोग स्कूल में भी भाषा बोलते चले गए।

अध्यक्ष महोदय, 23 तारीख का लिखा हुआ एक पत्र
बन्धक, जिला मेरठ का श्री राज नारायण श्री माननीय
सदस्य हैं इस सदन के उन के नाम मिला है। उन को
कल्ल की धमकी दी गई है, कल्ल करने के लिए कहा
है। वह वह पत्र है जिस को कि मैं ने आप के सामने
रखा है। ये कुछ भाई जब धार एस एस का नाम आया
तो उछल पड़ेगे। यह धार एस एस या किसी संगठन
का सवाल नहीं है। चाहे कोई भी सदस्य जो इस सदन का
है और चाहे कोई भी प्राणी किसी संगठन से सम्बन्ध
रखता हो, उस के जीवन का सवाल धार एस एस तो वहाँ पर
समान बात होती है और होनी चाहिए। श्री राजनारायण
के खिलाफ यह है कि वह धार एस एस के खिलाफ बोलते
हैं या कोई संगठन कर रहे हैं उस के बारे में। उन की
अज्ञान हमेशा के लिये बन्द कर दी जायगी, ऐसा एक
पत्र मिला है।

अध्यक्ष महोदय, इसको आप नाम की बात मत
समझिये। गांधी जी की हत्या से पहले भी ऐसे पत्र
गांधी जी को मिले थे। इससे पहले हमारे राष्ट्र के
नेता श्री० अरुण सिंह पर हमला हुआ, श्री राम नरेश
मावत पर हमला हुआ। ऐसी और भी विद्विर्षा,
धमकी धरे टेन्सोकोप आते हैं। (अव्यवधान)

SHRI KANWAR LAL GUPTA
(Delhi Sedar): On a point of order.
He is referring to RSS and every-
thing. Are you allowing him?

MR. SPEAKER: Mr. Bagri, I have
gone through that letter. I have
found a *prima facie* case, and I have

श्री मनीराम बागड़ी : हिन्दुस्तान की जनता की
भाषण यहां पर मूजती है।

MR. SPEAKER: I have already
referred the matter to the Privileges
Committee. Now, don't record.

(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Mr. Bagri brought
to my notice a letter said to have
been written by one Mr. Mittal to
Mr. Raj Narain saying that, because
he was carrying on a campaign against
RSS, his mouth would be shut.....

SHRI VASANT SATHE (Akola):
That is serious.

MR. SPEAKER: That is a very se-
rious matter. I have found a *prima
facie* case, and I have referred the
matter to the Privileges Committee. I
have told the House what the subst-
tance of the matter is. No further
discussion on this.

Now, matters under Rule 377. Mr.
Lakkappa.

(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Do not record.

12.10 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur):
Sir, before I start, I would like to
make one submission....

MR. SPEAKER: No.

SHRI K. LAKKAPPA: This is
regarding the procedure, Sir. You
have made a very good innovation—
allowing us to raise matters under
Rule 377. Time and again we have
represented to you that it should be
printed in the agenda; a wide publi-
city should be given.....